हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, बुधवार 21 अक्टूबर 2026
बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

RERA REGISTRATION NO. PCGRERA250518000017

जगदलपुर तेज़ी से बढ़ रहा है, और आप?

आज ही निवेश करें अपने बेहतर भविष्य के लिये।
अपना मनपसंद आवासीय प्लॉट 90% फाइनेंस के साथ

ASHOKA LANDSCAPES



600 से 3000 वर्गफीट तक
रेरा रजिस्टर्ड आवासीय प्लाट्स

महिलाओं के लिये
100% रजिस्ट्री
फ्री*

तत्काल फाइनेंस | तत्काल रजिस्ट्री | तत्काल पजेशन

- 24x7 Security
- Gated Community
- Modern Landscaped Garden
- Attractive Entrance Gate
- Well Developed Roads
- 24-Hour Water Supply
- Systematic Electrification
- Sewage Treatment Plant


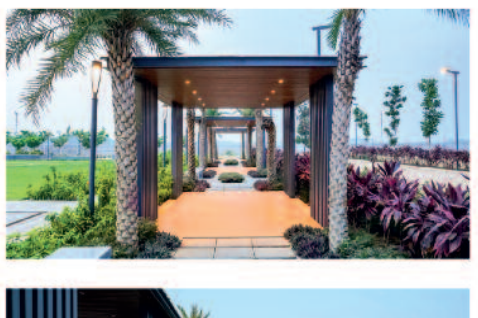




ALL ACTUAL PHOTOGRAPHS

*नियम एवं शर्तें लागू।

PRITHVI DEVELOPERS

साइट: नगरनार ओडिशा राजमार्ग 6262-60-5551, 6262-60-5552

जगदलपुर : लुंकड़ बिल्डिंग, जैन मंदिर रोड, जगदलपुर

ई मेल : prithviprojects@gmail.com | वेबसाइट : prithvidevelopers.in

SCAN FOR LOCATION

चार माह बाद खुले कुटुमसर गुफा के द्वार, पर्यटकों की लौटी रौनक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर / दरभा

धुरवा नृत्य से किया मनोरंजन, कांगेर घाटी में पर्यटन कारोबार को मिलेगी नई रफ्तार

बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता और अनोखी भूगर्भीय संरचनाओं के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध कुटुमसर गुफा के द्वार मंगलवार सुबह पर्यटकों के लिए फिर से खोल दिए गए। करीब चार माह के इंतजार के बाद गुफा में पर्यटन गतिविधियां शुरू होने से पर्यटकों के साथ ही स्थानीय पर्यटन कारोबारियों में भी उत्साह देखने को मिला। अब पर्यटक एक बार फिर घने जंगलों के बीच रोमांचक सफर करते हुए धरती के भीतर छिपी प्राकृतिक खूबसूरती और रहस्यमयी दुनिया का दीदार कर रहे हैं। पहले दिन विजयवाड़ा से पहुंचे पर्यटकों का वन विभाग की ओर से पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इसके बाद उन्हें गुफा भ्रमण के लिए रवाना किया गया। पर्यटकों के स्वागत को खास बनाने के लिए स्थानीय कलाकारों ने धुरवा नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसका पर्यटकों ने आनंद लिया। कुटुमसर गुफा बस्तर के प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में शामिल है। हर साल बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक यहां पहुंचते हैं। गुफा खुलने से कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। इसका सीधा लाभ स्थानीय जिप्सी चालकों, गाइड, छोटे व्यापारियों और पर्यटन से जुड़े अन्य लोगों को मिलने की संभावना है। मानसून के बाद पर्यटन गतिविधियों की शुरूआत से बस्तर के पर्यटन कारोबार को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस अवसर पर सीसीएफ उत्तम कुमार गुप्ता, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक गौतम नारायण पडिभार, एसडीओ कमल तिवारी, रेंजर नीतू ठाकुर, अक्षय कुमार, जनपद सदस्य गागरा राम नाग सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और जिप्सी चालक मौजूद रहे।

प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण की अपील

गुफा भ्रमण शुरू होने के साथ ही कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन ने पर्यटकों से प्राकृतिक पर्यावरण और जैव विविधता के संरक्षण में सहयोग करने की अपील की है। प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि वन क्षेत्र में प्लास्टिक, पॉलिथीन अथवा किसी भी प्रकार का कचरा नहीं फैलाएं। इसके अलावा वन्यजीवों को परेशान करने, उनके प्राकृतिक आवास में हस्तक्षेप करने और निर्धारित पर्यटन मार्ग से बाहर जाने से बचने के निर्देश दिए गए हैं। पर्यटकों को वन विभाग की अनुमति और निर्धारित नियमों के अनुसार ही भ्रमण करने कहा गया है।



कुटुमसर गुफा की खासियत

कुटुमसर गुफा बस्तर की प्रमुख प्राकृतिक धरोहरों में से एक है। चूना पत्थर से बनी इस गुफा में हजारों वर्षों में विकसित हुई अनूठी भूगर्भीय संरचनाएं पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। गुफा के भीतर प्राकृतिक रूप से निर्मित संरचनाएं और अंधेरी सुरंगें इसे रोमांचक पर्यटन स्थल बनाती हैं। घने जंगलों के बीच स्थित होने के कारण यहां तक पहुंचने का सफर भी पर्यटकों के लिए खास अनुभव होता है।

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार कार दुकान में घुसी, दो लोग बाल-बाल बचे

पखांजूर। पखांजूर से बांदे मार्ग पर पीव्ही 79 में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर एक दुकान में जा घुसी। हादसा इतना जोरदार था कि दुकान के सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं कार का अगला हिस्सा भी बुरी तरह टूट गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के वक्त कार में दो लोग सवार थे, जो बाल-बाल बच गए।

भुसकी में गांव के होनहारों का आज होगा सम्मान

दुर्गूकोंदल। विकासखंड दुर्गूकोंदल के ग्राम भुसकी में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और बुजुर्गों के सम्मान के उद्देश्य से 21 अक्टूबर को रात 8 बजे गांव गौरव सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सरपंच मुकेश गावड़े ने बताया कि कार्यक्रम में गांव के प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों सहित कृषि, व्यवसाय, कला और खेलकूद के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

विजयादशमी पर उत्साह का माहौल, भगवान श्रीराम की विजय का किया

केशकाल में धूमधाम से हुआ रावण दहन

बुराई पर अच्छाई की जीत का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व पर केशकाल के प्रिय दर्शनी स्टेडियम नगर के रावणभाटा एवं सिदावंड में रावण दहन का किया गया। दशहरा पर्व को लेकर क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। रावण दहन के माध्यम से लोगों को बुराई का त्याग कर सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया।

विदित हो कि विजयादशमी हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीराम ने लंकापति रावण का वध कर माता सीता को उसकी कैद से मुक्त कराया था।

इसी विजय की स्मृति में प्रत्येक वर्ष दशहरे के अवसर पर रावण के पुतले का दहन किया जाता है। यह परंपरा सदियों से समाज को यह संदेश देती आ रही है कि अहंकार, अन्याय और अधर्म का अंत निश्चित है तथा अंततः सत्य और धर्म की ही विजय होती है।



केशकाल एवं ग्रामीण इलाकों में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम ने दशहरा पर्व के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को एक बार फिर रेखांकित किया। दशहरा केवल रावण के पुतले को जलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर मौजूद बुराइयों को समाप्त करने का संकल्प लेने का भी अवसर है। रावण के 10 सिर को प्रतीकात्मक रूप से काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और अन्य अवगुणों से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में यह पर्व प्रत्येक व्यक्ति को आत्ममंथन करने और अपने आचरण में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा देता है।

भारतीय संस्कृति में दशहरा उत्सव सामाजिक एकता, पारिवारिक मूल्यों और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का भी माध्यम है। इस दिन लोग एक-दूसरे को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हैं और जीवन में सुख, समृद्धि तथा सफलता की कामना करते हैं। केशकाल में रावण दहन के साथ विजयादशमी पर्व का उल्लास देखने को मिला। यह आयोजन लोगों को भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाने, अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और समाज में प्रेम, सद्भाव एवं भाईचारे को बढ़ावा देने की प्रेरणा देता है।



दशहरा पर केशकाल थाना में हुआ शस्त्र पूजन

केशकाल। इस वर्ष भी विजयादशमी पर केशकाल थाना में शस्त्र पूजन किया गया। थाना प्रभारी विकास बघेल ने पूजा-अर्चना कर शस्त्रों का पूजन किया। इस दौरान थाना के अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे। सभी ने धार्मिक परंपराओं के अनुरूप पूजन में सहभागिता निभाई और विजयादशमी का पर्व उत्साह के साथ मनाया।

- कर्तव्य और सुरक्षा के संकल्प के साथ मनाया दशहरा

थाना प्रभारी विकास बघेल ने बताया कि केशकाल थाना में आयोजित शस्त्र पूजन के माध्यम से पुलिस बल ने आमजन की सुरक्षा, शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के संकल्प को दोहराया। विजयादशमी को बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक माना जाता है। इसी मान्यता के अनुरूप पुलिस विभाग में भी शस्त्र पूजन की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। पुलिस के लिए शस्त्र केवल सुरक्षा का साधन नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की रक्षा के दायित्व से भी जुड़े हैं। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों ने अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के महत्व को स्मरण किया। विजयादशमी जैसे पर्व पुलिसकर्मियों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने और समाज में सुरक्षा एवं विश्वास का वातावरण बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं।

गुम सेवा पुस्तिका पर कार्रवाई नहीं, नाराज दिवंगत कर्मचारी की पत्नी ने दी धरने की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ ने दिया समर्थन, लगातार शिकायत के डेढ़ वर्ष बाद भी नहीं मिला न्याय

दिवंगत पति की गुम गुम सेवा पुस्तिका पर लगातार शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई न होने से नाराज पत्नी 23 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट में धरना देगी। कर्मचारी की पत्नी के धरने को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ ने भी अपना समर्थन दिया है।



जानकारी के मुताबिक बकावण्ड विकासखण्ड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चितालूर में सहायक ग्रेड-2 पद पर कार्यरत रहे स्व. रघुराज दास की मृत्यु 15 अप्रैल 2025 को सेवाकाल के दौरान हो गई थी।

परिजनों का आरोप है कि उनकी मृत्यु के बाद संस्था से उनकी मूल सेवा पुस्तिका और ऋण पुस्तिका को गुम कर दिया गया। घटना के डेढ़ वर्ष बीत जाने के बावजूद न तो दोषियों पर कोई कार्रवाई हुई और न ही द्वितीय सेवा पुस्तिका तैयार कर प्रकरण का निराकरण किया गया। इसके विरोध में दिवंगत कर्मचारी की पत्नी सुप्रिया दास निवासी ग्राम छोटे गारावंड खुर्द ने कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी को पत्र सौंपकर 23 अक्टूबर 2026 को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष शांतिपूर्वक धरने पर बैठने की सूचना दी है। सुप्रिया दास का कहना है कि उन्होंने शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन से बार-बार गुहार लगाई लेकिन उन्हें केवल कार्यालयों के चक्कर कटवाए जा रहे हैं। विभाग द्वारा मूल नस्ती न होने की बात कहकर पल्ला झाड़ा जा रहा है जबकि उनके पुत्र द्वारा शाला से अंकसूची व दाखिल-खारिज जैसे आवश्यक दस्तावेज भी उपलब्ध करा दिए गए हैं। स्वास्थ्य खराब रहने और पेंशन में भी विलंब होने से तंग आकर उन्होंने अंततः धरने का मार्ग चुना है।

नियमित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ का खुला समर्थन

इस मामले में नियमित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कल्याण संघ ने कड़ा रुख अपनाया है। संघ के जिला अध्यक्ष उमेश मेश्राम और जिला सचिव लोकेश साहू ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर श्रीमती सुप्रिया दास के धरना प्रदर्शन को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। संघ का कहना है कि श्रीमती दास के पुत्र अनूप दास स्वयं शिक्षा विभाग के एक सहयोगी कर्मचारी साथी हैं। संघ ने चेतावनी दी है कि किसी भी कर्मचारी के साथ भविष्य में इस तरह की अन्यायपूर्ण घटना न हो इसके लिए समस्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी इस आंदोलन में शामिल होंगे। साथ ही संघ ने प्रशासन से धरना प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।



विजयादशमी पर फरसगांव थाने में पुलिस जवानों ने किया शस्त्र पूजन सुरक्षा का लिया संकल्प

फरसगांव। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक विजयादशमी पर्व पर मंगलवार को फरसगांव थाना परिसर में पुलिस जवानों ने विधि-विधान से शस्त्र पूजन किया। कार्यक्रम में एसडीओपी अभिनव उपाध्याय, थाना प्रभारी चंद्रशेखर श्रीवास सहित पुलिसकर्मियों ने हवन-पूजन कर शस्त्रों की पूजा की। विजयादशमी पर शस्त्र पूजन की परंपरा के अनुरूप पुलिस जवानों ने क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पुलिस का कर्तव्य असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर समाज में सुरक्षा और शांति का वातावरण बनाए रखना है।

शस्त्रों की पूजा कर मांगी सुरक्षा की दुआ धर्म और न्याय की रक्षा का लिया संकल्प

कांकेर। कांकेर जिले में विजयादशमी पर पुलिस लाइन सहित जिले के सभी थानों में परंपरानुसार शस्त्र पूजन किया गया। मंत्रोच्चार, आरती और विधि-विधान के साथ पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने अपने शस्त्रों की पूजा कर मां दुर्गा से जिले की शांति, समृद्धि और सुरक्षा की कामना की। इस दौरान शस्त्रों को केवल शक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि जनता की रक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने का महत्वपूर्ण माध्यम मानते हुए अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण का संकल्प लिया गया। कांकेर जिला पुलिस लाइन में 20 अक्टूबर की सुबह से ही उत्सव का माहौल रहा। परिसर को सजाया गया और पूजा स्थल पर फूलों की आकर्षक सजावट की गई।

हाइवे पर पत्थर ने ली दो की जान, सुरक्षा पर उठे सवाल!

केशकाल। बस्तर के प्रवेश द्वार केशकाल घाटी में सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सोमवार शाम करीब 4 बजे धमतरी जिले के चना गांव से जगदलपुर की ओर जा रहे दोपहिया वाहन सवार दो युवकों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। इस हादसे के बाद केशकाल घाटी में राष्ट्रीय राजमार्ग की सुरक्षा व्यवस्था और सड़क पर मौजूद बाधाओं की निगरानी को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

- घाटी की मोड में गिरा था पत्थर, आगे माजदा वाहन चल रहा था, जिसके पीछे थे बाइक सवार

जानकारी के अनुसार, हादसे की वजह सड़क पर मौजूद एक पत्थर को बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि एक माजदा वाहन सड़क पर पड़े पत्थर से टकराने के बाद अनियंत्रित हो गया। इसी दौरान पीछे से आ रहे दोपहिया वाहन की माजदा से टक्कर हो गई। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि दोपहिया वाहन में सवार दोनों युवकों की जान चली गई। इस घटना ने दो परिवारों को गहरे दुख में डाल दिया है।



सड़क पर पत्थर, पेड़ और अन्य बाधाओं की निगरानी जरूरी

केशकाल घाटी अपनी घुमावदार सड़क और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण पहले से ही सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की मांग करती है। ऐसे में राष्ट्रीय राजमार्ग पर कहीं पत्थर गिरने, पेड़ या उनकी शाखाओं के सड़क की ओर झुकने अथवा अन्य अवरोध मौजूद होने पर दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। विशेषकर घाटी जैसे संवेदनशील मार्ग पर सड़क की नियमित निगरानी और समय रहते बाधाओं को हटाना बेहद जरूरी है।

इस घटना के बाद सवाल उठ रहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग की देखरेख करने वाले जिम्मेदार विभाग को घाटी के ऐसे संवेदनशील स्थानों की नियमित जांच क्यों नहीं करनी चाहिए? सड़क पर कहां पत्थर पड़े हैं, कहां पेड़ या उनकी शाखाएं यातायात में बाधा बन सकती हैं और कहां दुर्घटना की आशंका है, इसकी पहचान कर समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

हादसे के बाद पत्थर हटाना पर्याप्त नहीं, जवाबदेही भी जरूरी

बताया गया है कि दुर्घटना के बाद पुलिस विभाग द्वारा सड़क पर मौजूद पत्थर को हटाया गया। हालांकि, किसी हादसे के बाद बाधा हटाने के साथ-साथ यह भी जरूरी है कि ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। यदि सड़क पर पड़ा पत्थर दुर्घटना का कारण बना, तो उसकी स्थिति, दुर्घटना के वास्तविक कारणों और संबंधित विभाग की जिम्मेदारी की जांच की जानी चाहिए। राष्ट्रीय राजमार्ग की सुरक्षा केवल सड़क निर्माण और मरम्मत तक सीमित नहीं है, बल्कि सड़क को सुरक्षित बनाए रखना, संभावित खतरों की पहचान करना और दुर्घटना की आशंका वाले स्थानों पर तत्काल सुधार करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

पेज 9 के शेष

रोटी-बेटी के अटूट रिश्ते...

है, बल्कि यह रिश्ता सदियों से रोटी और बेटी का रहा है। वैवाहिक एवं सामाजिक संबंधः छत्तीसगढ़ की बेटियों का विवाह तेलंगाना और महाराष्ट्र में होता है, वहीं वहां की बेटियां बीजापुर जिले के घरों की बहुएं बनती हैं। इस पारिवारिक और सामाजिक आदान-प्रदान ने तीनों राज्यों के रिश्तों को एक अटूट डोर में पिरो दिया है। स्थानीय बाजारों और दैनिक व्यापारिक गतिविधियों के लिए भी बीजापुर जिले के लोग पड़ोसी राज्यों पर निर्भर रहते हैं। पीढ़ियों से आकर बसे तेलंगाना और महाराष्ट्र के परिवारों का गहरा प्रभाव यहां की भाषा, खान-पान, रहन-सहन और त्योहारों में साफ झलकता है।

इंद्रावती की बाढ़ से...

6 एकड़ में धान लगाया था, जो पूरी बर्बाद हो गई। कुछ भी खाने लायक नहीं बची। लगभग डेढ़ लाख रूपए की फसल के लिए सोसायटी से नगद और खाद बीज के लिए ऋण लिया हूं। उन्होंने फसल बीमा में नुकसान की पूरी राशि मिलने से ही राहत मिलने की बात कही है। वहीं पूर्व सरपंच कामदेव ने कहा कि भेजापदर से लगा हुआ ओड़िसा का गांव विक्रमपुर में मेरी जमीन है, जहां 26 एकड़ में धान लगी थी। पूरी फसल नष्ट हो गई है। दूसरा राज्य होने से अभी तक मुआवजा के रूप में फूटी कौड़ी नहीं मिली है।

वासुदेव का मकान टूटा, मदद नहीं मिली : पूर्व सरपंच कामदेव के भाई वासुदेव ने अपना टूटा मकान दिखाते हुए कहा कि अभी तक इसका नुकसान का कोई भी पैसा नहीं मिला है। सुना हूं कि गांव के कुछ लोगों को मकान के नुकसान का पैसा मिला है। मकान के अलावा 12 एकड़ खेत में धान और मक्का का फसल लगाया था, जो पूरी तरह बर्बाद हो गई है।

खेतों में जली फसल मवेशी भी नहीं खा रहे : लैप्स नगरनार के सेवानिवृत कर्मचारी गौरहरि महापात्र ने बताया कि इंद्रावती तट पर वैसे तो कई गांव इस क्षेत्र के बसे हुए है, लेकिन मुख्य रूप से 4 बड़े ग्राम पंचायत नगरनार, कस्तुरी, धनपूंजी और भेजापदर जहां किसान अधिक है, इंद्रावती की बाढ़ ने यहां के किसानों को बर्बाद कर दिया। लगभग 7 से 8000 एकड़ में खड़ी फसल नष्ट हो गई। उन्होंने बताया कि जल चुकी फसल अब मवेशियों के खाने लायक भी नहीं है।

गिरकर भी नहीं मानी...

कक्षा छठवीं की छात्रा कायरा, डॉ. मनोज जॉर्ज थॉमस एवं डॉ. सरिता थॉमस की पुत्री हैं। आरएफएसआई चैंपियनशिप की एक हजार मीटर दौड़ में उनका प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। दौड़ के दौरान गिरने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। दोबारा उठकर दौड़ पूरी की और स्वर्ण पदक जीत लिया। इसके अलावा 300 मीटर स्प्रिंट में भी उन्होंने गोल्ड हासिल किया। कायरा के अभिभावकों ने उनकी सफलता का श्रेय विद्यालय की प्रधानाचार्या मनीषा खत्री, पीटीआई नवीन और कोच इरफान खान के मार्गदर्शन व प्रोत्साहन को दिया है। अब राष्ट्रीय स्तर पर कायरा को देशभर के खिलाड़ियों के बीच अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।एक हजार मीटर की दौड़ के दौरान कायरा गिर गई थीं, लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय दोबारा उठकर दौड़ जारी रखी। आखिरकार उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर साबित कर दिया कि मजबूत हौसले के आगे मुश्किलें भी हार जाती हैं।

मावली मंदिर में...

कि गौ माता की सेवा और रक्षा भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में विशेष स्थान रखती है। गौ सेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि करुणा, संवेदना और जीवमात्र के प्रति दायित्व का प्रतीक भी है। समाज के युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत,धार्मिक परंपराओं और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। इस अवसर पर अनिल अग्रवाल, कैलाश ठाकुर, किशोर पांडे, कमलेश विश्वकर्मा, अभिलाष यादव,नरेश कोरी, आशीष कोटक, रोहन घोष, विक्रम ठाकुर, आंनद झा, बृजेश कपूर,जशवंत जोशी,रवि नेताम, इंद्र टेमरे, रमेश नायडू, संजय मौर्य, योगेश ठाकुर, रोहन सेठिया, यश कुमार, फूलकुमार, गौरव ठाकुर, विक्रांत नाग, शुभम ठाकुर, सावन यादव, सचिन ईनानी, महेंद्र, अमित ठाकुर,बलराज यादव, नीरज पानीग्राही, गीतेश पानीग्राही, जितेंद्र जोशी, डालेस्वर कश्यप एवं प्रियांशु ठाकुर सहित अन्य गौ सेवक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रारूप-37
(नियम 61 (3) देखिए)

मोटरयान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी को रद्दकरण के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभ्यर्पण करने और वित्तपोषक के नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की सूचना (दो प्रतियों में, दूसरी प्रति नोटिस जारी करने पर वित्तपोषक को भेजी जावेगी।)

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, रायपुर सं. 169
तारीख- 08/10/2026

श्री/श्रीमती/कुमारी PODDAR TRANSPORT, Son/Wife/Daughter of NA, ADD-PROP.-KAMAL KUMAR PODDAR, GROUND FLOOR, SHOP NO. 2 AND 3, SWOJAS HEIGHTS, GAYATRI NAGAR, RAIPUR -C.G. 492001, MOB-8349678563, वित्तपोषक STATE BANK OF INDIA, DURG, C.G. - 491001 ने यह सूचित किया है कि उसने/उन्होंने उक्त करार उपबन्ध अधीन आपके व्यतिक्रम के कारण अवक्रय/आडमान/पट्टा करार अंतर्गत आने वाले मोटर यान जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्या CG04PW2743 है, कब्जा ग्रहण कर लिया है और यह कि-

1. आपने उसे/उन्हें रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र देने से इंकार कर दिया है।
2. आप फरार हो गये हैं।

उसने/उन्होंने रजिस्ट्रीकृत प्रमाण पत्र रद्द करने और अपने नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र जारी करने का अनुरोध किया है।

अतः आपको उक्त मोटर यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र अभ्यर्पित करने को निर्देश दिया जाता है, जिसे आपने कब्जा खो देने पर धारा 2(30) के अधीन स्वामित्व भी खो दिया है और इस बारे में आपका अभ्यावेदन, यदि कोई हो, तो इस नोटिस की आपके द्वारा प्राप्ति के सात दिन के भीतर इस कार्यालय को, करने का निर्देश दिया जाता है। आपके असफल रहने पर धारा 51 (5) के अनुसार आपके द्वारा धारित रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र रद्द करते हुये वित्तपोषक के नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र जारी कर दिया जाएगा।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
रायपुर (छ.ग.)



हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, बुधवार 21 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

तापमान

अधिकतम 31 डिग्री

न्यूनतम 19 डिग्री

10 विजयादशमी पर पुलिस लाइन में हुई शस्त्र पूजा



10 विदेशी पर्यटक पर चढ़ा बस्तर की लोककला का जादू



रोटी-बेटी के अटूट रिश्ते और सांस्कृतिक मेले का प्रतीक है बतुकम्मा महापर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ मद्देड़

भोपालपटनम तहसील के मद्देड़ में यह पर्व प्रकृति प्रेम और आपसी भाईचारे का है अनूठा संगम

बीजापुर जिले के भोपालपटनम तहसील के मद्देड़ में सांस्कृतिक विविधता, प्रकृति प्रेम और आपसी भाईचारे का अनूठा संगम देखने को मिला। 9 दिनों से क्षेत्र में मातृशक्ति और प्रकृति की आराधना का पावन महापर्व बतुकम्मा उत्साह, श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया जा रहा था, जिसका समापन सदुदुल बतुकम्मा के साथ हुआ। 9 दिनों तक पूर्ण विधि-विधान के अनुसार मां गौरी की स्थापना कर पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं, पुरुषों और युवाओं में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। दक्षिण बस्तर की भौगोलिक स्थिति इसे बेहद खास और समृद्ध बनाती है। यह क्षेत्र छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र की सीमाओं के मुहाने पर स्थित है। बीजापुर जिले की सीमाएं सीधे तेलंगाना और महाराष्ट्र से सटी हुई हैं, जहां जीवनदायिनी इंद्रावती नदी इस क्षेत्र की प्राकृतिक और भौगोलिक रेखा तय करती है। नदी के एक छोर पर छत्तीसगढ़ है, तो दूसरे छोर पर तेलंगाना और महाराष्ट्र राज्यों की सीमाएं शुरू हो जाती हैं। सीमाएं भले ही अलग हो, लेकिन यहां के निवासियों के दिलों में कभी दूरियां नहीं रहीं। पड़ोसी राज्यों से निकटता के कारण दक्षिण बस्तर बीजापुर जिले के भोपालपटनम तहसील अंतर्गत ग्राम मद्देड़ में मनाए जाने वाले अधिकांश तीज-त्योहार और सांस्कृतिक कार्यक्रम तेलंगाना व महाराष्ट्र परंपराओं की तर्ज पर ही मनाए जाते हैं।

रोटी और बेटी का सदियों पुराना अटूट रिश्ता : छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र के बीच केवल व्यापारिक या भौगोलिक साझापन ही नहीं ⏭शेष पेज 08 पर

खास खबर

बतुकम्मा और इसका सांस्कृतिक-पौराणिक महत्त्व

तेलुगू भाषा में बतुकम्मा का अर्थ मां, जीवित हो जाओ या देवी मां जीवित रहे होता है। यह पर्व मुख्य रूप से प्रकृति, जल-स्रोतों और नारी शक्ति का उत्सव है। इस पर्व में मूर्तियों के स्थान पर प्राकृतिक और औषधीय फूलों से पूजा की जाती है। गेंदा, कमल, चमेली और स्थानीय जंगली फूलों को बांस की टोकरी या थाली पर वृत्ताकार व पिरामिड के आकार में परत-दर-परत सजाया जाता है।



सांस्कृतिक एकता की मिसाल

जल में विसर्जन के बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को प्रसाद बांटकर परिवार की सुख-समृद्धि और सुहाग की दीर्घायु की कामना की। बतुकम्मा पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र की साझा संस्कृति और अटूट आत्मीयता का एक जीवंत उदाहरण भी है।

खबर संक्षेप

व्यापारी से वसूला गया 5 गुना मंडी टैक्स



जगदलपुर। सुकमा के व्यापारी ओम प्रकाश चांकड के वाहन क्रमांक सीजी18 एच 2163 बिना कागजात के परिवहन करते पाये जाने पर 5 गुना मंडी शुल्क 13800 कृषक कल्याण शुल्क 4600 निराश्रित शुल्क 368 समझौता शुल्क 12000 कुल राशि 30768 रूपये वसूली की कार्रवाई की गई। कृषि उपज मंडी के निरिक्षक विरेन्द्र दिल्लीवार, उपनिरिक्षक पिन्टू बघेल तथा प्रभाकर ने सूचना मिलने पर वाहन की जांच की और टैक्स वसूली की कार्रवाही की। मारेंगा के पास बिना नंबर प्लेट के वाहन से 200 पैकेट 80 क्विंटल धान जब्त किया गया है। इसका अनुमानित मूल्य 1 लाख 84 हजार बताया गया है।

घर से बाइक पार, पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी फुटेज



दरभा। स्थानीय थाना क्षेत्र के नेगानार में सोमवार की रात घर के बाहर खड़ी बाइक क्रमांक सीजी 17 केजेड 8387 की चोरी हो गई। दरभा थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार नेगानार निवासी महेश ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह अपनी बाइक घर के सामने खड़ी कर सोया था, सुबह जब उठा तो देखा की उसकी बाइक गायब थी। इसके बाद पीड़ित ने थाने में चोरों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से पता साजी की जा रही है।

मावली मंदिर में गौ सेवकों ने किया शस्त्र पूजन



जगदलपुर। गौ सेवकों के तत्वावधान में मंगलवार को मावली माता मंदिर में शस्त्र पूजन हुआ। कार्यक्रम में सांसद महेश कश्यप, रजनीश पानीग्राही व प्रकाश झा शामिल हुए। पूजन कार्यक्रम विधि विधान के साथ किया गया। आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, शौर्य परंपरा, धर्मरक्षा तथा गौ सेवा के प्रति जनजागरण को प्रोत्साहित करना रहा। सांसद ने कहा कि शस्त्र पूजन हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है। शस्त्र केवल शक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि अन्याय के प्रतिकार, निर्बलों की रक्षा और धर्म की मर्यादा बनाए रखने के संकल्प का भी प्रतीक है। हमारी संस्कृति हमें शक्ति के साथ संयम, साहस के साथ विवेक और सामर्थ्य के साथ सेवा का भाव सिखाती है। उन्होंने कहा ⏭शेष पेज 08 पर

टापू बनने वाले भेजापदर के 80 किसानों की 600 एकड़ फसल पूरी तरह नष्ट

हरिभूमि ने नगरनार और भेजापदर का लिया जायजा

इंद्रावती की बाढ़ से 4 गांव के 7 हजार एकड़ फसल बर्बाद

सुरेश रावल ⏭ जगदलपुर

पिछले दिनों 4 दिन की लगातार बारिश ने भेजापदर गांव की पूरी फसल चौपट कर दी। धान की पूरी की पूरी पैदावार पानी में डूब गई। पिछले महीनें 26 से 29 सितम्बर तक हुई लगातार बारिश ने भेजापदर गांव के लगभग 80 किसानों की फसल पूरी तरह बर्बाद कर दी। अब इसी फसल के लिए किसानों को सोसायटी से ऋण चुकाने की चिंता सता रही है। जब खाने के लिए कुछ है नहीं और मवेशियों के लिए चारा का भी ठिकाना नहीं, ऐसे में कर्ज कैसे पटायेंगे।

- फसल के लिए ऋण लेने वाले सैकड़ों किसान परेशान

अलग खबर

हरिभूमि से चर्चा में भेजापदर गांव के किसानों ने यह बात कही। गांव की वर्तमान स्थिति देखने के लिए नगरनार और भेजापदर गांव पहुंचकर लोगों से चर्चा की गई। बताया गया कि भेजापदर, नगरनार, कस्तुरी और धनपूंजी इन 4 गांव के लगभग 7000 एकड़ फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। इसमें लगभग 90 प्रतिशत धान की फसल हैं। इसके अलावा मक्का और साग सब्जी की फसल भी पूरी तरह नष्ट हो गई है।

भेजापदर के पूर्व सरपंच कामदेव कश्यप तथा वर्तमान सरपंच महेश्वरी बघेल ने कहा कि सालों बाद ऐसी विपत्ती गांव वालों के सामने आई है। 4 दिन लगातार बारिश और ओड़िसा के डैम से पानी छोड़ने के कारण इंद्रावती नदी का रौद्र रूप देखने को मिला। कच्चे पक्के मकान भी धराशयी हो गए। सरपंच के ससूर शोभाराम ने बताया कि पंचायत भवन में बेटा महेन्द्र गया हुआ है, जहां पटवारी के साथ बैठकर गांव के किसानों के फसल और मकान क्षति का सर्वे रिपोर्ट तैयार की जा रही है। अभी तक किसी तरह की आर्थिक मदद नहीं मिली है। शोभाराम ने बताया कि मैं स्वयं ⏭शेष पेज 08 पर



फसल बीमा में पूरी क्षतिपूर्ति मिले या कर्ज माफ हो

भेजापदर और नगरनार के उजड़े खेत खलिहान तथा बारिश और बाढ़ से टूटे फूटे मकानों के निरीक्षण के दौरान मौजूद अनेक किसानों ने हरिभूमि से कहा कि किसानों को राहत तभी मिलेगी जब सरकार या तो फसल बीमा में पूरी क्षतिपूर्ति दे या फिर फसल के लिए सोसायटी से लिए गए कर्ज को माफ कर दे। 1 एकड़ में 21 क्विंटल धान 3100 प्रति क्विंटल में सरकार खरीद रही है। उसके हिसाब से 1 एकड़ का नुकसान 65100 के हिसाब से किसानों को राशि मिलनी चाहिए। किसानों ने कहा कि लोन लेते समय सोसायटी ने फसल बीमा प्रीमियम राशि ली है। इसलिए प्रधानमंत्री फसल बीमा का क्षतिपूर्ति सभी किसानों को मिलना चाहिए।



731 किसानों ने लिया है 6 करोड़ का ऋण

खरीफ सीजन में ऋण के अलावा केसीसी, गौ पालन तथा केसीसी स्वरोजगार में सब मिलाकर नगद और वस्तु के साथ 6 करोड़ 14 लाख का ऋण वितरण नगरनार सोसायटी से किया गया है। वहीं 731 किसानों का फसल बीमा में 11 लाख 49 हजार की राशि ली गई है। पहले का 104 किसानों का कालातित ऋण 73 लाख है। इस तरह कुल 835 किसानों का कुल ऋण 6 करोड़ 87 लाख 36 हजार सोसायटी को लेना है, लेकिन बारिश और बाढ़ से फसल को हुए नुकसान के चलते किसान इस साल ऋण पटाने में असमर्थतता जता रहे हैं। ऐसे में इन 4 गांवों के ऋण लेने वाले किसानों का धान भी सोसायटी में नहीं आयेगा। धान खरीदी 15 नवम्बर से शुरू होने के बाद पता चलेगा कि 835 किसानों में कितने लोग धान लेकर बेचने आयेंगे।

राजू राम कश्यप समिति सचिव नगरनार

ट्रक में मिला 300 क्विंटल मक्का, ट्रक सहित उपज जब्त



जगदलपुर। कृषि उपज मंडी समिति कोंडागांव के निरीक्षण दल ने रविवार की रात बड़ी कार्रवाई करते हुए 300 क्विंटल मक्का का अवैध परिवहन पकड़ा है। जानकारी के अनुसार रविवार रात लगभग 8.50 बजे कोंडागांव से उमरकोट मार्ग पर ग्राम अनतपुर के पास निरीक्षण दल ने ट्रक क्रमांक ओडी 24 डी 2505 को जांच के लिए रोका। जांच के दौरान वाहन में अधिसूचित कृषि उपज मक्का के 600 पैकेट मिले, जिनका कुल वजन 300 क्विंटल था। उपज का अवैध परिवहन किए जाने की पुष्टि होने पर निरीक्षण दल ने मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मक्का सहित ट्रक को जब्त कर लिया। मामले में वाहन चालक सुरंजन मजूमदार निवासी उमरकोट, जिला नबरंगपुर (ओडिशा) के नाम से प्रकरण दर्ज किया गया है।

- मंडी निरीक्षण दल ने अनतपुर के पास की कार्रवाई
- चालक के खिलाफ मंडी अधिनियम के तहत बनाया प्रकरण

संलिप्त लोगों में मचा हड़कंप

राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि कार्रवाई के बाद जब्त वाहन और मक्का को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए पुलिस थाना अनतपुर की अभिरक्षा में सौंप दिया गया। मंडी प्रशासन की इस कार्रवाई से कृषि उपज के अवैध परिवहन में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

जादूटोना के संदेह में पड़ोसी पर टंगिया से हमला, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

कोड़ेनार थाना क्षेत्र के ग्राम बरछेपाल में जादूटोना के संदेह में आरोपी ने अपने ही पड़ोसी पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया, जिसका उपचार के दौरान मौत हो गई। प्रार्थी की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए कोड़ेनार पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेजा गया।

- बच्चों के बीमार पड़ने पर पड़ोसी पर जादू टोना करने का करता था संदेह

कोड़ेनार टीआई विजय पटेल ने बताया कि आरोपी सोनारू मंडावी को शक था कि पड़ोसी मृतक बोगा पोयामी जादू-टोना करता है, जिसके



कारण उसके बच्चे बीमार पड़ जाते हैं। इसी शक के चलते आरोपी ने बोगा पोयामी पर टंगिया से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले के बाद घायल बोगा पोयामी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी शलभ कुमार सिन्हा व एएसपी सुखनदंन राठौर के मार्गदर्शन में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारी कोड़ेनार विजय पटेल के नेतृत्व में टीम गठित की गई। प्रार्थी की रिपोर्ट पर कोड़ेनार थाना में बीएनएस की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी पतासाजी कर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे शक था कि मृतक जादू-टोना कर उसके बच्चों की तबीयत खराब करता है। इसी शक के आधार पर उसने टंगिया से वार कर मृतक को घायल कर दिया था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया।

गिरकर भी नहीं मानी हार, 10 साल की कायरा ने स्केटिंग में जीते 6 गोल्ड

जगदलपुर। खेल के मैदान में उम्र नहीं, बल्कि हौसला और मेहनत मायने रखती है। इसे साबित किया है जगदलपुर की 10 वर्षीय बाल स्केटर कायरा डलिज थॉमस ने। कायरा ने स्केटिंग की दो प्रमुख प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं। उनकी इस उपलब्धि से बस्तर का गौरव बढ़ा है। कायरा ने 19वीं आरएफएसआई स्केटिंग चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक हासिल किए। इसके बाद स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) की प्रतियोगिता में भी तीन स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन ओपन राष्ट्रीय स्केटिंग चैंपियनशिप और राष्ट्रीय स्कूल स्केटिंग चैंपियनशिप, दोनों के लिए हुआ है। वहीं बस्तर संभाग को ओवरऑल सिल्वर ट्रॉफी भी प्राप्त हुई। सेजेस जगदलपुर की ⏭शेष पेज 08 पर

- दस साल की कायरा ने स्केटिंग में बढ़ाया बस्तर का मान



आईजी व एसपी सहित अधिकारियों ने पुलिस लाइन में की शस्त्र पूजा



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विजयदशमी पर पुलिस लाइन में आईजी व एसपी समेत अधिकारियों ने शस्त्र पूजा कर हर्ष फायर किया। इस दौरान अधिकारियों ने आधुनिक हथियारों और वाहनों की पूजा कर बस्तर में शांति का संकल्प लिया।

- नक्सल मोर्चे पर इस्तेमाल आधुनिक हथियारों और पुलिस वाहनों का विधि-विधान से किया पूजन

बस्तर में विजयादशमी का पर्व इस बार पुलिस और आम जनता के लिए खास संदेश लेकर आया। दशहरे के अवसर पर जगदलपुर स्थित पुलिस लाइन में बस्तर पुलिस ने नक्सल मोर्चे पर इस्तेमाल किए जाने वाले आधुनिक हथियारों और पुलिस वाहनों का विधि-विधान से पूजन किया। पूजा-अर्चना में बस्तर आईजी बद्रीनाथ मीणा, एसपी शलभ कुमार सिन्हा, एएसपी सुखनदंन राठौर समेत पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, थाना प्रभारी और डीआरजी के जवान शामिल हुए।

विजयादशमी के मौके पर पुलिस लाइन में उन अत्याधुनिक हथियारों और संसाधनों को विशेष रूप से शामिल किया गया जिनका इस्तेमाल नक्सल प्रभावित अंदरूनी इलाकों में तैनात जवानों द्वारा ऑपरेशन के दौरान किया जाता रहा है। दूरस्थ पुलिस कैंपों में सुरक्षा के लिए उपयोग होने वाले हथियारों को भी पुलिस लाइन लाकर पूजा में शामिल किया गया। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने पूरे विधि-विधान के साथ शस्त्रों की पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही पुलिस वाहनों का भी पूजन किया गया। विजयादशमी पर शस्त्र पूजन की यह परंपरा पुलिस बल के लिए अपने कर्तव्य, साहस और जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक मानी जाती है।

मावली परघाव की सदियों पुरानी परंपरा का विधि-विधान से हुआ निर्वहन

मावली और दंतेश्वरी माता का मिलन, दिखा आस्था का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर दशहरा पर्व की महत्वपूर्ण रस्मों में शामिल मावली परघाव मंगलवार की रात श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक भव्यता के साथ संपन्न हुई। दंतेवाड़ा से आई मावली माता और जगदलपुर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मिलन का अद्भुत दृश्य देखने हजारों श्रद्धालु उमड़ पड़े।

- आतिशबाजी और पुष्पवर्षा के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने किया माईजी की डोली का स्वागत

सदियों से चली आ रही इस परंपरा ने एक बार फिर बस्तर की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं की जीवंत झलक प्रस्तुत की। मावली परघाव की रस्म परंपरागत रीति-रिवाजों और विधि-विधान के साथ दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण एवं कुटरूबाड़ा के समीप संपन्न कराई गई। इस दौरान दंतेवाड़ा से आई मावली



माता की डोली का राजपरिवार के सदस्य एवं बस्तर माटी पुजारी कमलचंद भंजदेव ने स्वागत किया।

हजारों श्रद्धालु भी माईजी के स्वागत के लिए मौजूद रहे। डोली के आगमन के साथ ही श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाकर अपनी आराध्य देवी के प्रति श्रद्धा प्रकट की। आतिशबाजी और फूलों की बारिश के बीच स्वागत का दृश्य देखते ही बन रहा था। देर रात तक मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। इस पूरी धार्मिक रस्म का नेतृत्व बस्तर माटी पुजारी कमलचंद भंजदेव ने किया। राजपरिवार की परंपरागत भूमिका के साथ स्थानीय पुजारियों और श्रद्धालुओं ने भी आयोजन में सहभागिता निभाई।

मावली माता की डोली और मां दंतेश्वरी के मिलन को बस्तर दशहरा की धार्मिक परंपराओं में विशेष स्थान प्राप्त है। यह केवल दो देवियों के मिलन की रस्म नहीं, बल्कि बस्तर की आस्था और परंपरा के आपसी जुड़ाव का प्रतीक भी है। बस्तर दशहरा की खासियत यह है कि यहां की परंपराएं सदियों से समाज के विभिन्न वर्गों को एक सूत्र में बांधती आई हैं।

मावली परघाव इसी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस रस्म के माध्यम से दंतेवाड़ा और जगदलपुर के बीच धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों की परंपरा भी मजबूत होती है। आधुनिकता के दौर में भी हजारों लोगों की सहभागिता यह दशार्ती है कि बस्तर की लोकआस्था और परंपराएं आज भी उतनी ही जीवंत हैं। मावली परघाव के साथ बस्तर दशहरा की भव्यता और धार्मिक उल्लास एक बार फिर अपने चरम पर नजर आया।

बस्तर को नक्सलमुक्त करने सुरक्षाबलों ने कठिन परिस्थितियों का किया सामना-एसपी

एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने कहा कि इस वर्ष विजयादशमी का पर्व बस्तर पुलिस और यहां की जनता के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक नक्सलवाद की वजह से बस्तर के लोगों और सुरक्षा बलों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा और कई जवानों व नागरिकों ने अपनी जान गंवाई। एसपी ने कहा कि सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और लगातार चलाए गए अभियानों के चलते बस्तर अब नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। ऐसे में इस बार पुलिस के साथ-साथ बस्तर की जनता भी विजयादशमी का पर्व उत्साह और उमंग के साथ मना रही है। नक्सल विरोधी अभियानों में इस्तेमाल किए गए अत्याधुनिक हथियारों और अन्य संसाधनों की पूजा की गई। इस दौरान पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और जवानों ने बस्तर में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने का संकल्प भी लिया।

खबर संक्षेप

गढ़िया में नए आंगनवाड़ी भवन निर्माण का भूमिपूजन



जगदलपुर। लोहंडीगुड़ा ब्लॉक के ग्राम पंचायत गढ़िया के में आज सरपंच भरत कश्यप ने पूजा अर्चना के साथ मासापारा में नए आंगनबाड़ी भवन निर्माण हेतु भूमिपूजन कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वर्षों से आंगनवाड़ी भवन की जरूरत रही जो आज पूरे होने जा रही है। सरकार विकास के लिए संकल्पित है। इस दौरान उपसरपंच संतुराम, पीलूराम बघेल, निरंजना बघेल,चेतन ग्वाल,लखन कश्यप,सामनाथ ,राजेश कश्यप, अर्जुन यादव,ढोल मौर्य,चीतू सहित गांव के पुजारी,कोटवार एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

बस्तर थाने में विजयादशमी पर शस्त्र पूजन



बस्तर। विजयादशमी के अवसर पर बस्तर थाना परिसर में शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। इस दौरान उप निरीक्षक अरुण सिन्हा सहित पूरे थाना स्टाफ ने विधि-विधान से शस्त्रों का पूजन किया। परंपरा के अनुसार विजयादशमी पर शस्त्रों की पूजा कर शक्ति और सुरक्षा की कामना की गई। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने शस्त्रों पर तिलक लगाकर पुष्प अर्पित किए और क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प लिया। थाना परिसर में पूजा के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। सभी ने एक-दूसरे को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। शस्त्र पूजन के बाद प्रसाद वितरण भी किया गया। इस अवसर पर थाना स्टाफ ने कहा कि शस्त्र पूजन का उद्देश्य बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और यह हमें कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

निधन

जयदेव ठाकुर



जगदलपुर। शहर के लालबहादुर शास्त्री वार्ड में सोढ़ी पेट्रोल पंप के सामने निवासी समाचार पत्र वितरक जयदेव ठाकुर का सोमवार 19 अक्टूबर को रायपुर स्थित ए स ए म सी अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। उनके निधन से परिचितों और समाचार पत्र जगत में शोक की लहर है। हंसमुख और मिलनसार स्वभाव के जयदेव ठाकुर को 5 दिन पहले 14 अक्टूबर बुधवार को घर पर सुबह लगभग 6 बजे हृदयाघात हुआ था। इसके बाद उन्हें जगदलपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए रायपुर भेजा था। वहां तीन दिनों तक उपचार के बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। मंगलवार को उनके पार्थिव शरीर का गृहग्राम मारडूम क्षेत्र के बदरेंगा में अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में परिजनों के साथ ग्रामीण भी शामिल हुए। वे अपने पीछे पत्नी, दो पुत्रों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए।

जनता की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : एसपी

विजयादशमी पर पुलिस लाइन में हुई शस्त्र पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक विजयादशमी के पावन पर्व पर मंगलवार को पुलिस लाइन सुकमा में पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं विधि-विधान के साथ शस्त्र पूजा का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने शस्त्रों की पूजा-अर्चना कर जिले में शांति, सुरक्षा और खुशहाली की कामना की। इस दौरान

- पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की मौजूदगी में पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ आयोजन

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज तिर्की एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीष कुंवर सहित पुलिस विभाग के अधिकारी और जवान उपस्थित रहे। धार्मिक आस्था, परंपरा और कर्तव्य के प्रति समर्पण के भाव के साथ संपन्न हुए इस आयोजन में पुलिस बल की सेवा भावना और अनुशासन का संदेश दिखाई दिया।





परंपरा, अनुशासन और कर्तव्य का संगम

विजयादशमी का पर्व भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। भगवान श्रीराम की रावण पर विजय और धर्म की अधर्म पर जीत का यह पर्व समाज को सत्य, सदाचार और न्याय के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश देता है। पुलिस विभाग में शस्त्र पूजा इसी सांस्कृतिक परंपरा को कर्तव्यबोध से जोड़ती है। यह अवसर पुलिसकर्मियों को याद दिलाता है कि उनकी शक्ति का वास्तविक उद्देश्य समाज में सुरक्षा, शांति और कानून के प्रति सम्मान स्थापित करना है। सुकमा जैसे संवेदनशील जिले में पुलिस की भूमिका शांति व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर नियंत्रण, नागरिकों की सुरक्षा और आम जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। ऐसे आयोजन पुलिस बल में मनोबल, एकजुटता और सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करने का संदेश देते हैं। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज तिर्की, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीष कुंवर सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न शस्त्र पूजा के अवसर पर पुलिस बल ने जनसेवा, अनुशासन और जिले में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के संकल्प को दोहराया।

शस्त्र पूजा के साथ जनसेवा का संकल्प

विजयादशमी के अवसर पर शस्त्र पूजा पुलिस विभाग की महत्वपूर्ण परंपरा का हिस्सा है। इस दिन शस्त्रों की पूजा कर पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा, साहस, अनुशासन और जिम्मेदारी का संकल्प दोहराते हैं। पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने विधिवत पूजा-अर्चना की और जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ पुलिस बल के अधिकारियों एवं जवानों की सुरक्षा तथा सुख-समृद्धि की कामना की। पुलिस के लिए शस्त्र केवल सुरक्षा का साधन नहीं, बल्कि कानून की रक्षा और नागरिकों को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी का प्रतीक भी हैं। शस्त्र पूजा की परंपरा इसी दायित्व का स्मरण कराती है कि शक्ति का उपयोग सदैव कानून, न्याय और जनहित की रक्षा के लिए किया जाना चाहिए।

जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विजयादशमी हमें सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है। पुलिस विभाग में शस्त्र पूजा की परंपरा भी इसी भावना से जुड़ी है। यह हमें अपने कर्तव्यों, अनुशासन और जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि "सुकमा पुलिस आम नागरिकों की सुरक्षा, जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने और लोगों के बीच विश्वास का वातावरण मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस का दायित्व केवल अपराधों पर नियंत्रण रखना ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों को सुरक्षित महसूस कराना और जरूरत के समय उनकी सहायता के लिए तत्पर रहना भी है। सभी अधिकारी एवं जवान पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें, यही हमारी प्राथमिकता है।एसपी ने पुलिस बल के सभी अधिकारियों एवं जवानों के अच्छे स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास, आपसी समन्वय और अनुशासित कार्यप्रणाली से ही जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरा जा सकता है।

विदेशी पर्यटक पर चढ़ा बस्तर की लोककला का जादू

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर की समृद्ध जनजातीय शिल्पकला और अनूठी सांस्कृतिक विरासत अब सात समंदर पार के सैलानियों को भी अपना मुरीद बना रही है। आमचो बस्तर टूरिज्म पहल के तहत संचालित 'बस्तर कला एवं हस्तशिल्प - बस्तर कला गुड़ी

- कला गुड़ी एक्सपीरियंस जोन में हस्तशिल्प देख हुए मुग्ध



एक्सपीरियंस जोन' में आज एक विदेशी पर्यटक ने भ्रमण कर स्थानीय शिल्पकारों की अद्भुत प्रतिभा का दीदार किया। भ्रमण के दौरान विदेशी मेहमान ने बस्तर की विश्वप्रसिद्ध प्राचीन ढोकरा आर्ट, काष्ठ शिल्प, बांस कला और रॉट आयरन से सजी आकर्षक कृतियों का बेहद बारीकी से अवलोकन किया। इन हस्तनिर्मित कलाकृतियों में रची-बसी पारंपरिक कारीगरी को देखकर वे खासे प्रभावित हुए और उन्होंने इस कला की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए 'थम्स-अप' के साथ अपनी खुशी और संतुष्टि जाहिर की।कला की सुंदरता से प्रभावित होकर विदेशी पर्यटक ने न केवल स्थानीय शिल्पकला की बारीकियों को समझा, बल्कि बस्तर के हुनर को स्मृति-चिह्न के तौर पर साथ ले जाने के लिए अनुवेद ब्रांड के तहत तैयार बस्तर आर्ट उत्पादों की जमकर खरीदारी भी की। उल्लेखनीय है कि बस्तर कला गुड़ी परिसर का विकास राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ी शिल्पकारों के उत्कृष्ट उत्पादों को एक व्यवस्थित मंच और सीधा बाजार उपलब्ध कराना है। इस व्यवस्था से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो रही है और देश-विदेश से आने वाले पर्यटक सीधे शिल्पकारों से जुड़ पा रहे हैं, जिससे ग्रामीण महिला कलाकारों को उनकी मेहनत का उचित और सीधा पारिश्रमिक मिल रहा है। भ्रमण के समापन पर विदेशी मेहमान ने कला गुड़ी की टीम और स्व-सहायता समूह की दीदियों के साथ यादगार ग्रुप फोटो भी खिंचवाई, जिससे पूरा परिसर उत्साह और गर्व के माहौल से सराबोर रहा।

जमीनी हक और बुनियादी सुविधाओं के लिए बस्तरिया राज मोर्चा लामबंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्टा

विधानसभा क्षेत्र में जमीन के हक व मूलभूत सुविधाओं को लेकर बस्तरिया राज मोर्चा के बैनर तले बड़े पैदल मार्च की तैयारी की जा रही है। इसी कड़ी में सुकमा जिले के ग्राम

- गंगलेर की विशाल आमसभा में उमड़े हजारों ग्रामीण, वन विभाग की कार्रवाई पर जताया आक्रोश



पंचायत गंगलेर में एक विशाल आमसभा आयोजित की गई, जिसमें गंगलेर, सिंगाराम, गोल्लापल्ली, माराईगुड़ा और किस्टाराम पंचायतों के हजारों ग्रामीण शामिल हुए। आमसभा में ग्रामीणों ने वन विभाग द्वारा पुश्तैनी जमीन पर बिना पंचायत की अनुमति के कराए जा रहे सीपीटी कार्य और रेल लाइन के कारण खेतों के खराब होने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। मोर्चा के संयोजक मनीष कुंजाम ने स्थानीय भाषा में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिजली और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हजारों परिवार अंधेरे में जीवन-यापन कर रहे हैं। यहां के किसान कपास की खेती कर रहे हैं जिसके लिए बिजली जरूरी है। उन्होंने प्रशासन को छह माह की चेतावनी देते हुए इन समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की। सभा में पोलावरम परियोजना से प्रभावित 18 गांवों के विस्थापन व पुनर्वास, फसलों के नुकसान पर सूखा राहत न मिलने पर चक्काजाम की चेतावनी और अंदरूनी क्षेत्रों में शिक्षा-स्वास्थ्य की बदहाली का मुद्दा उठाया गया। इस अवसर पर भीमा, रावना राव, जनपद उपाध्यक्ष मड़वी हिड़मा, राजेश नाग, इरफान खान, लीना ओयामी सहित सरपंच, पटेल, पेरमा और आंचल कमेटी के पदाधिकारी व ग्रामीण भारी संख्या में मौजूद रहे।

बिजनेस साइट

एल जी बेस्ट शॉप 'वाहेगुरु स्मार्टटेक साल्यूशन्स' का हुआ शुभारंभ



जगदलपुर। शहर के गीदम रोड पर एल जी बेस्ट शॉप 'वाहेगुरु स्मार्टटेक साल्यूशन्स' का मंगलवार को भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर एलजी रीजनल ऑफिस रायपुर के ब्रांच मैनेजर प्रशांत जैन एवं टेरटरी मैनेजर सरदार जसपाल सिंह ने रिब्बन काटकर शो रूम का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ व्यवसाई पुखराज बोथरा, वाहेगुरू होण्डा के डायरेक्टर जितेन्द्र पाल सिंह अहलूवालिया, चेम्बर के पदाधिकारी एवं शहर के गणमान्य व्यापारी बड़ी संख्या मे मौजूद थे।

संस्था की प्रॉपराइटर गीत अहलुवालिया ने बताया की अब ग्राहकों को एक ही छत के निचे एलजी के सारे प्रोडक्ट रजिनेबल रेट्स पर उपलब्ध होंगे। यह एलजी कंपनी के अधिकृत ब्रांड स्टोर और शोरूम हैं, जहां एलजी के सभी प्रकार के घरेलू उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद मिलते हैं। मुख्य उत्पादों मे स्मार्ट एलईडी और ओ एलइडी टीवी, होम थिएटर व साउंडबार,रेफ्रिजरेटर (सिंगल डोर, डबल डोर, फ्रेंच डोर), वाशिंग मशीन (एआई वॉश, फ्रंट लोड और टॉप लोड), एयर कंडीशनर (डुअल कूल इन्वर्टर एसी), माइक्रोवेव ओवन, डिशवॉशर और वाटर प्यूरीफायर की विशाल रेंज मिलेगी।

सीआरपीएफ वाहिनी में नवमी पर शस्त्र पूजन, कन्याओं को कराया भोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्टा

नवरात्रि उत्सव के पावन अवसर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 217वीं वाहिनी, कोंटा के सर्वधर्म प्रार्थना स्थल स्थित मंदिर परिसर में कमांडेंट विजय शंकर वाहिनी के अधिकारियों एवं जवानों द्वारा

- कमांडेंट सहित अधिकारियों और जवानों ने मां दुर्गा की आराधना कर मांगी सुख-समृद्धि



नवमी, शस्त्र पूजन एवं मां दुर्गा की श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों ने माँ दुर्गा से सभी के जीवन में सुख, शांति, शक्ति एवं सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने की प्रार्थना की। इस धार्मिक अवसर ने जवानों के बीच आध्यात्मिक चेतना, आपसी सौहार्द, एकता एवं भाईचारे की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया तथा 217वीं वाहिनी परिसर में शस्त्रों की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य घर-परिवार से दूर निवासरत जवानों द्वारा भक्तिमय वातावरण में विधि-विधान से पूजा संपन्न करना एवं शस्त्रों के प्रति सम्मान और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना था। मंदिर परिसर में विधि-विधान एवं श्रद्धा-भाव के साथ 11 कन्याओं को कमांडेंट विजय शंकर उनके परिवार अधिकारियों एवं सभी कार्मिकों द्वारा पूजन किया गया तथा उन्हें भोजन व प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही भेंट स्वरूप विभिन्न सामग्री भी दी गई। इस अवसर पर वीरेंद्र कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी एवं उनका परिवार उप कमांडेंट विजय कुमार, प्रदीप कुमार पाठक, धर्मेंद्र कुमार राय, सहायक कमांडेंट, डॉ. यारम प्रथिमा पशु चिकित्सा अधिकारी सहित अधीनस्थ अधिकारीगण एवं जवान उपस्थित रहे।

नवमी पूजा के साथ ही वाहिनी में नवरात्रि उत्सव श्रद्धा एवं उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। मां दुर्गा को भोग अर्पित कर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

219वीं बटालियन ने 15वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्टा



सीआरपीएफ 219 वीं बटालियन ने कोन्टा ब्लॉक के इंजराम स्थित अपने मुख्यालय में अपना 15वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कर्मवीर सिंह यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, कमाण्डेंट एओएल सहित उपस्थित राजपत्रित अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं बल के सभी कार्मिकों द्वारा वीर शहीदों को श्रद्धांजलि एवं श्रद्धासुमन अर्पित किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा क्वार्टर गार्ड में सलामी ली गई । बटालियन मुख्यालय में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ने सम्मेलन में उपस्थित जवानों को संबोधित करते हुए 219वीं बटालियन के गौरवशाली इतिहास एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा सभी अधिकारियों एवं जवानों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने परिचालन क्षेत्र में आने वाली संभावित चुनौतियों एवं समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्थापना दिवस के अवसर पर बटालियन मुख्यालय के साथ-साथ सभी कम्पनियों में भी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जवानों के उत्साहवर्धन एवं मनोरंजन के लिए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा बड़े-खाने का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी जवानों के बीच मिष्ठान वितरित किया गया। इस अवसर पर अभय कुमार श्रीवास्तव उप कमाण्डेन्ट, काना राम चौधरी,डॉ. शशिकान्त चिनामाली चिकित्साधिकारी,अन्य अधीनस्थ अधिकारीगण तथा 219वीं बटालियन के समस्त कार्मिक उपस्थित रहे।

- नेताओं और अफसरों के साथ अब हर वर्ग के लोगो की पसंद
- गूगल पर 5 स्टार की रेटिंग के साथ सबसे ऊपर

सर्वाधिक रिव्यू के साथ दंतेश्वरी कोसा बनी विश्व की टॉप गूगल रेटिंग वाली संस्था

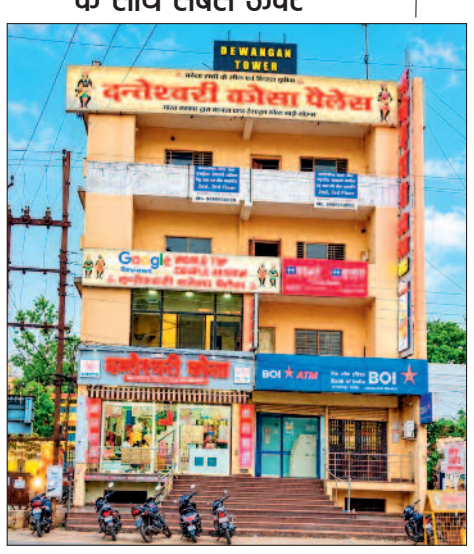

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहर के जाने माने कोसा वस्त्रों के शोरूम दंतेश्वरी कोसा को गूगल पर 5 में से 5 स्टार की रेटिंग मिली है और 4 हजार से अधिक लोगों ने इसकी समीक्षा की है। यह दुकान 1994 से संचालित है जो अब विश्व मे सर्वाधिक रेटिंग प्राप्त करने वाली संस्था बन चुकी है। इस संस्था के डायरेक्टर नारायण देवांगन है।

हरिभूमि के साथ हुई चर्चा में उन्होंने बताया की यह उनका पैतृक व्यवसाय है। मूलतः ग्राम अंगोदा, जांजगीर चांपा जिला मे उनका परिवार पिछली तीन पीढ़ीयों से इस व्यवसाय से जुडा हुआ है। जिनका मूल काम कोसा से धागा निकालना और वस्त्र बनाना है। अपनी हायर सेकण्डरी की शिक्षा बस्तर से और स्नातकोत्तर बिलासपुर यूनिवर्सिटी से करने के बाद नारायण ने भी इसी व्यवसाय को आगे बढ़ाने की सोची।

अब दंतेश्वरी कोसा के शहर मे तीन स्वयं के शोरूम संतोषी वार्ड, कुम्हारपारा और झंकार चौक मे स्थापित है। जहां ग्राहकों की मांग के अनुरूप बेस्ट क्वालिटी के कोसा के शर्ट, कुर्ता, सलवार सूट, शॉल व साडियों विशाल रेंज उपलब्ध है। छत्तीसगढ़ के साथ साथ अब अन्य राज्यों से भी लोग कोसा से बने वस्त्रों की ऑनलाइन खरीदी करने लगे है। दंतेश्वरी कोसा और बस्तर का नाम गूगल के माध्यम से पुरे विश्व मे प्रसिद्ध हुआ है इसका पूरा श्रेय वे अपने सम्माननीय ग्राहकों को देते है।



सफलता का सफर

उन्होंने दंतेश्वरी कोसा का पहला शोरूम 2 फरवरी 1994 को मिलन होटल के सामने किराये की दूकान मे शुरू की। उस समय केवल सरकारी कोसा सेंटर मे ही कोसा के वस्त्र उपलब्ध होते थे। बस्तर काशीदाकारी, बस्तर बुनाई और बस्तर प्रिंट के साथ उन्होंने अपने उत्पादों से ग्राहकों का दिल जीत लिया और बस्तर का कोसा छत्तीसगढ़ की खास पहचान और प्रसिद्ध प्राकृतिक रेशम (टसर सिल्क) को लोग पसंद करने लगे। श्री देवांगन का पूरा परिवार व्यवसाय मे उनका साथ दे रहा है।



